

गजराजसिंह व अन्य बनाम देवा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 133/2022(प्रा0पत्र)
निर्णय दिनांक:-28/10/2025

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी देवगढ़ जिला राजसमन्द (राज0)

(पीठासीन अधिकारी: श्री मोहकम सिंह सिनसिनवार, आर0ए0एस0)

प्रकरण संख्या:-133/2022 प्रार्थनापत्र

दायर दिनांक:- 04/04/2022

निर्णय दिनांक:- 28/10/2025

अनवान

1. गजराजसिंह पिता प्रतापसिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दवा तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
2. भंवरकंवर पत्नि प्रतापसिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दवा तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
3. महेन्द्रसिंह पिता प्रतापसिंह जाति राजपूत निवासी कुन्दवा तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द

---प्रार्थीगण

बनाम

1. देवा पिता हेमा जाति गुर्जर निवासी बिलाखी तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
2. नारायणलाल पिता हेमा जाति गुर्जर निवासी बिलाखी तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
3. हीरालाल पिता हेमा जाति गुर्जर निवासी बिलाखी तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
4. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार, देवगढ़ जिला राजसमन्द राज0

अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टिनेन्सी एक्ट

:: निर्णय ::

प्रार्थी ने जरिये अधिवक्ता प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टिनेन्सी एक्ट का प्रस्तुत किया जिसके सुसंगत तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि प्रार्थीगण की सहखातेदारी खाता संख्या 55 खसरा संख्या 64, 65, 67 कुल किता 03 कुल रकबा 1.3600 हैक्टेयर भूमि ग्राम कुन्दवा में स्थित है। प्रार्थीगण की भूमि के पास अप्रार्थीगण 01,02, 03 की भूमि आराजी नम्बर 63 व अप्रार्थी संख्या 04 की भूमि आराजी नम्बर 103 स्थित है जिससे होकर प्रार्थीगण अपनी कृषि भूमि आराजीयात में प्रवेश कर सकते हैं व पगडण्डी रूपी रास्ते से अपनी कृषि भूमि में



1

उपखण्ड अधिकारी, देवगढ़
जिला-राजसमन्द (राज.)

गजराजसिंह व अन्य बनाम देवा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 133/2022(प्रा0पत्र)
निर्णय दिनांक:-28/10/2025

प्रार्थीगण आ जा रहे हैं तथा इसी आराजी से प्रार्थीगण कृषि उपकरण, हल, बैलगाड़ी, ट्रेक्टर कल्टी ईत्यादि का आवागमन अप्रार्थीगण की भूमि में होकर किया जा सकता है। अतः निवेदन है कि प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी संख्या 01 की आराजी संख्या 64, 65, 67 भूमि में से आवागमन का रास्ता जिसका विवरण प्रार्थना पत्र की कलम संख्या 02 में दिया गया है उस 20 फीट चौड़े रास्ते को राजस्व रिकॉर्ड में कायम किया जावे एवं रास्ते की भूमि को बिलानाम दर्ज की जाकर प्रार्थीगण का आवागमन सुनिश्चित किया जावे।

इस पर पत्रावली दर्ज रजिस्टर की गई अप्रार्थी को जरिये समन्न तलब किया गया। अप्रार्थी संख्या 01, 02, 03 बावजूद सूचना तामिल के अनुपस्थित रहने से प्रकरण में इनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये।

प्रकरण में तहसीलदार, देवगढ से मौका रिपोर्ट ली गई जिसके अनुसार प्रार्थी के खेत पर जाने के लिये रास्ता आवश्यक है। प्रार्थी के खेत पर जाने के लिये रास्ता राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है। प्रार्थी की भूमि पर जाने हेतु ग्राम कुन्दवा के आराजी संख्या 56, 58 में से रास्ता प्रस्तावित कर मय नकल संलग्न है। प्रस्तावित भूमि वर्तमान में खाली पड़ी होकर पड़त है। प्रस्तावित रास्ते की कुल 74 मीटर लम्बाई व चौड़ाई 06 मीटर है जो आराजी संख्या 56 में से 36*6 वर्गमीटर, आराजी संख्या 58 में से 40*6 वर्गमीटर रास्ता प्रस्तावित किया गया है रास्ते में कुल भूमि 456 वर्गमीटर आती है। राजस्व लेखाकार की रिपोर्ट अनुसार प्रस्तावित भूमि कि डी0एल0सी0 1160000/- प्रति हैक्टेयर है जिसका 02 गुणा 18194/- बनता जो राशि राजकोष में जमा योग्य है।

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-ए में प्रतिपादित है कि:-
[251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where - (a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or (b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that (i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and (ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface



2

उपखण्ड अधिकारी, देवगढ
जिला-राजसमन्द (राज.)

गजराजसिंह व अन्य बनाम देवा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 133 / 2022(प्रा0पत्र)
निर्णय दिनांक:-28 / 10 / 2025

of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted. (2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records. (3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.]

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-ए की उपधारा (1) के प्रावधानों को क्रियान्विति के लिए राजस्थान काश्तकारी (सरकारी) नियम, 1955 में संशोधन अधिसूचना दिनांक 02.03.2012 से अध्याय 12 जोड़कर नियम 68-70 के प्रावधान उपबन्धित किये गये हैं।

राजस्थान काश्तकारी (सरकारी) नियम 1955 के नियम 68में खातेदारी भूमि में से होकर नवीन रास्ते विद्यमान रास्ते को चौड़ा करने एवं सिचाई हेतु पाइप लाईन के लिए नियम 68 के अन्तर्गत उपखण्ड अधिकारी के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का प्रावधान किया गया है एवं नियम 68 के प्रावधान अन्तर्गत प्रस्तुत आवेदन पत्र को उपखण्ड अधिकारी द्वारा जाँच कर उसे आवेदन प्रस्तुत करने की दिनांक से 90 दिन में निस्तारण करने का प्रावधान किया गया है।

उपरोक्त प्रावधानों का अवलोकन करने से यह स्पष्ट है कि धारा 251-ए के अन्तर्गत खातेदारों को अन्य खातेदारों की जोत में से होकर भूमिगत पाइप लाईन के माध्यम से जल लेने या अन्य खातेदारों की जोत में से होकर नया मार्ग बनाने या विद्यमान मार्ग को विस्तारित करने या चौड़ा करने के लिए उपबन्धित किया गया है। प्रश्नगत प्रकरण में आराजी संख्या 63, 103 में से 20 फुट चौड़ा रास्ता प्रार्थी द्वारा चाहा गया है जो जमाबन्दी संवत् 2076 के अनुसार अप्रार्थीगण की खातेदारी में दर्ज है।

अतः तहसीलदार, देवगढ़ की रिपोर्ट अनुसार अन्य वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं होने के तथ्य को मद्देनजर रखते हुये आराजी खसरा नम्बर 56 व 58 वाके ग्राम कुन्दवा में से 456 वर्गमीटर रास्ता प्रार्थी की आराजी संख्या 64, 65, 67 सहखातेदारी के रूप में दर्ज है जिसमें आने-जाने के लिए दिया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 5(43) में



गजराजसिंह व अन्य बनाम देवा व अन्य

प्रकरण संख्या:- 133/2022(प्रा0पत्र)

निर्णय दिनांक:-28/10/2025

अभिधारी को परिभाषित किया गया है। उक्त परिभाषा में एक सह अभिधारी(सहखातेदार) भी अभिधारी के रूप में अभिव्यक्त है। अतः आराजी संख्या 64, 65, 67 में आने जाने के लिए (समस्त अभिधारी/सहखातेदार) के लिए दिया जाना उचित है।

—:आदेश:—

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम प्रार्थी का स्वीकार किया जाता है तथा प्रार्थीगण की आराजी खसरा नम्बर 64, 65, 67 रकबा 1.3600 हैक्टेयर वाके ग्राम कुन्दवा में पहुंच हेतु आराजी संख्या 56, 58 में से कुल 74 मीटर लम्बाई व चौड़ाई 06 मीटर कुल भूमि 456 वर्गमीटर भूमि रास्ता प्रार्थी की वाके ग्राम कुन्दवा में आने-जाने के लिए राजस्थान स्टाम्प नियम 2004 के नियम 2 के उप-नियम (1)के खण्ड (ख) के तहत गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा निर्धारित की गई कृषि भूमि दरों का दुगना प्रतिकर लिया जाकर प्रार्थी को रास्ता दिया जाता है। यह रास्ता सार्वजनिक रहेगा। तहसीलदार देवगढ उपरोक्त आराजी में रास्ते की भूमि (क्षेत्रफल) की गणना कर उपरोक्तानुसार प्रतिकर राशि प्रार्थी से अप्रार्थी को दिलवाई जाकर रास्ते की भूमि का राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद करने से पूर्व चूंकि प्रस्तावित रास्ता हेतु भूमि पर बैंक में रहन दर्ज है एवं बैंक को पक्षकार नहीं बनाया गया है इसलिए बैंक की अनापत्ति प्राप्त कर ही राजस्व रिकॉर्ड में अमल दरामद की कार्यवाही करावें। प्रस्तावित नक्शा निर्णय का अभिन्न भाग (जुज) रहेगा। निर्णय की प्रति तहसीलदार देवगढ को भिजवाई जावे।

निर्णय आज दिनांक 28.10.2025 को मेरे द्वारा लिखा जाकर सरे इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर एवं मोहर युक्त जारी किया गया।



Mo/ 28/10/25
(मोहकम सिंह सिनसिनवार R.A.S.)
उपखण्ड अधिकारी, देवागढ़
जिल्ला-धनसमन्द (राज.)